विश्वविद्यालय के पूर्व शोधार्थी डॉ. कन्हैया त्रिपाठी को महामहिम राष्ट्रपति का विशेष कर्तव्य अधिकारी नियुक्त किए जाने के संदर्भ में

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भूतपूर्व शोधार्थी डॉ. कन्हैया त्रिपाठी को भारत के राष्ट्रपति का ओ.एस.डी. (विशेष कर्तव्य अधिकारी) नियुक्त किया गया है। यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही हर्ष एवं गौरव का विषय है। कन्हैया त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग से एम.ए., एम. फिल. एवं पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है। शुरुआती दिनों से ही कन्हैया त्रिपाठी अकादमिक दुनिया में काफी सक्रिय रहे हैं। उनकी अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनमें 'सतह से शिखर तक भारत के राष्ट्रपति', 'आदिवासी समाज एवं मानवाधिकार', 'हिन्द स्वराज अहिंसक क्रान्ति का दस्तावेज़', 'भारतीय मानवाधिकार आंदोलन कुछ नई पहल', 'विश्व आतंकवाद और शांति', 'हिन्द स्वराज शताब्दी विमर्श' (संपादित), 'डॉ. राममनोहर लोहिया और सतत समाजवाद' (संपादित), 'स्त्री उत्कर्ष की ओर' (संपादित), 'भारत जगाओ' (संपादित, हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, 6 खंड), 'महामहिम प्रतिभा देवी सिंह पाटील के साक्षात्कार' (संपादित) आदि पुस्तकें शामिल हैं। इसके अलावा कन्हैया त्रिपाठी को कई राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके पहले श्री त्रिपाठी महामहिम प्रतिभा देवी सिंह पाटील के साथ कई वर्षों तक राष्ट्रपति भवन में संपादक के पद पर कार्य कर चुके हैं। इस बीच वह डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में सहायक निदेशक पद कार्यरत थे। फिलहाल उन्हें भारत के राष्ट्रपति के **विशेष कर्तव्य अधिकारी** पद पर नियुक्त किया गया है। निश्चित रूप से उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार उन्हें बधाई देने के साथ-साथ गौरवान्वित है।